

खिलौना लाक्ष. किसी पर आसक्त व्यक्ति जो प्रेमिका, प्रेमी के आस पास चक्कर लगाता/लगाती है, मुग्ध, मोहित, वश में होना 4. बिजली के बल्ब का पुराना नाम।

**लट्ठ** पुं. (देश.) 1. मोटा डंडा, बड़ी लाठी, दण्ड 2. लाक्ष. मूर्ख, गंवार, बेवकूफ मुहा. लट्ठ चलाना-मारपीट होना, लाठियों से लड़ाई करना; लट्ठ मारना- लाठी मारना, कठोर भाषा बोलना; किसी के पीछे लट्ठ लिए फिरना- किसी चीज, व्यक्ति, विचार का विरोध करना; अक्ल के पीछे लट्ठ लिए फिरना- मूर्खता पूर्ण कार्य करना; लट्ठ होना उजड़, गंवार, असभ्य होना।

**लट्ठबाज** वि. (देश.) 1. लठैत, लाठी से लड़ने वाला, लाठी चलाने वाला 2. लाठी को सदा साथ रखने वाला।

**लट्ठमार** वि. (देश.) 1. उद्दंड, उजड़, अशिष्ट 2. बातचीत में कठोर भाषा का प्रयोग करने वाला, नम्रता एवं शिष्टता से रहित।

**लट्ठा** पुं. (देश.) 1. लकड़ी का लंबा और मोटा डंडा, शहतीर, बल्ला, धरन, कड़ी 2. भूमि की नाप करने का साढ़े पांच फुट लंबा बांस का डंडा, इसीलिए भूमि की नाप करने को लट्ठा बेदी भी कहा जाता है 3. एक प्रकार का सामान्य सफेद सूती कपड़ा।

**लठैत** पुं. (देश.) 1. लट्ठबाज, लाठी चलाने में कुशल, लाठी से लड़ाई लड़ने वाला 2. लाठी पकड़े हुए पहरेदारी करने वाले।

**लड़ंत** स्त्री. (देश.) 1. लड़ाई, भिड़त 2. सामना, मुकाबला 3. कुश्ती।

**लड़** स्त्री. (तद्.) 1. लड़ी 2. मेल मिलाप, मित्रता 3. पंक्ति श्रेणी, कतार 4. रस्सी का एक तार, पान।

**लड़कन/लड़कई/लड़कपन** पुं. (देश.) 1. बाल्यावस्था, बचपन 2. बच्चे की सी चंचलता, बचपना 3. बुद्धि की अपरिपक्वता वाला व्यवहार या काम, नासमझी।

**लड़का** पुं. (देश.) 1. बालक, कम अवस्था का मनुष्य, जो अभी जवान न हुआ हो 2. पुत्र, बेटा।

**लड़काई** स्त्री. (देश.) 1. बचपन की अवस्था, लड़कपन 2. बचपना 3. बालक की वह अवस्था जिसमें ज्यादा समझदारी नहीं होती 4. लाक्ष. किसी बालक में युवावस्था होने पर भी लड़कपन की स्थिति होना, समझदारी ना होने की स्थिति उदा. बहु धनुही तोरेउं लरकाई- मानस।

**लड़की** स्त्री. (देश.) 1. छोटी आयु की बालिका, कन्या 2. जो स्त्री युवती न हुई हो 3. पुत्री।

**लड़कौरी** वि. (देश.) 1. जो स्त्री गर्भवती हो 2. छोटे बच्चे वाली स्त्री लाक्ष. 3. वह स्त्री जो अपने छोटे बच्चे की वजह से अन्य कोई बड़ा काम या जिम्मेदारी न संभाल सकती हो।

**लड़खड़ाना** अ.क्रि. (देश.) 1. चलते समय पैरों का सही क्रम में न पड़ना 2. पैरों का डगमगाना 3. शारीरिक कष्ट या कमजोरी होने पर ठीक तरह से खड़े न हो पाने के कारण चलते समय पैरों का इधर-उधर पड़ना।

**लड़ना** स.क्रि. (तद्.) 1. एक दूसरे को शारीरिक चोट पहुँचाना 2. अशिष्टता पूर्वक अपशब्दों का एक दूसरे पर प्रयोग करना 3. ऊँची आवाज में दो पक्षों की परस्पर किसी बात पर तकरार होना, बहस होना 4. चलते हुए दो वाहनों का आपस में टकरा जाना जैसे- दो ट्रेनों का आपस में लड़ जाना 5. किसी जहरीले जानवर का काटना जैसे- साँप का लड़ना।

**लड़बावला** वि. (देश.) 1. जो नासमझ हो, अनाड़ी 2. दुलारा 3. अल्हड़ 4. गँवार 5. लड़बौरा।

**लड़ाई** स्त्री. (देश.) 1. परस्पर विरुद्ध दो पक्षों का एक दूसरे को हताहत करने की क्रिया 2. दो देशों या राज्यों के सैनिकों का संग्राम या युद्ध 3. विवाद, झगड़ा 4. तकरार, बहस, अनबन।

**लड़ाका** वि. (देश.) 1. बहादुरी से लड़ने वाला, लड़ाकू 2. लड़ाई-झगड़ा करने वाला 3. योद्धा।